# 2.1.
# Predsviatok *Bohozjavenia*

## *Stichiry* na stichovne veľkej večierne

***(zatiaľ iba stichiry 1. a 3. hlasu)***

- *Nápev podľa S439, 411, 414-15 (15.-16. storočie)*
- *Preklad do kyjevskej notácie v duchu ruténskej tradície*
- *Aplikácia na súčasný csl. text*

---

***Poznámka:*** Ostatné stichiry doplníme o niekoľko rokov...

© 2010 irmologion.nfo.sk

## Εις τόν Στίχον Στιχηρά Ιδιόμελα. Ιωάννου Μοναχού Ήχος α'

*Λαμπρά* **μέν** ή *παρελθούσα* Εορτή, 11
*λαμπροτέρα* **δέ** Σωτήρ η *επερχομένη*. 13
**Ε- -κείνη** Άγγελον έσχεν ευαγγελιστήν, 13
**καί αύτη** Πρόδρομον εύρε προετοιμαστήν. 13
**Εν εκείνη**, αι*μάτων* εκχεο*μένων*, 12
ως *άτεκνος* *ώδύρετο η* Βηθλεέμ, 12
**εν ταύτη**, υ*δάτων* ευλογου*μένων*, 11
*πολύτεκνος* γνωρίζεται *η* Κολυμβήθρα. 13
**Τότε** *Αστήρ* τούς Μάγους εμήνυσε, 11
**νύν δέ** *Πατήρ* κόσμω σε υπέδειξεν, 11
ο σαρκωθείς, 4 καί πάλιν ερχόμενος 7
εμφανώς, 3 // Κύριε δόξα σοι. 6

---

На стїхо́внѣ стїхи̑ры самогла́сны, гла́съ а҃. І҆ѡа́нна мона́ха:

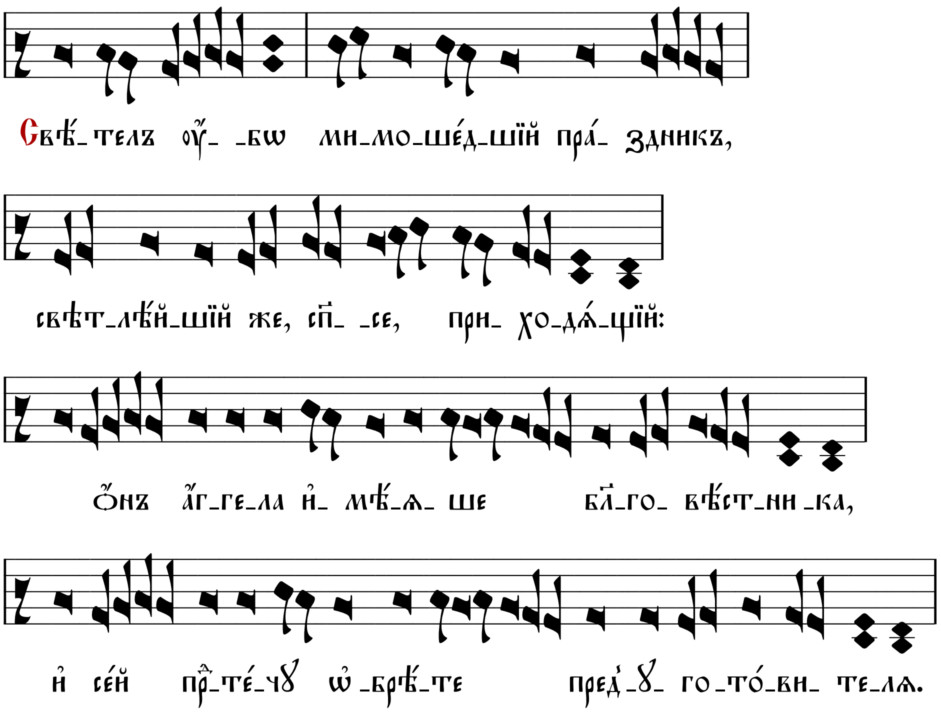

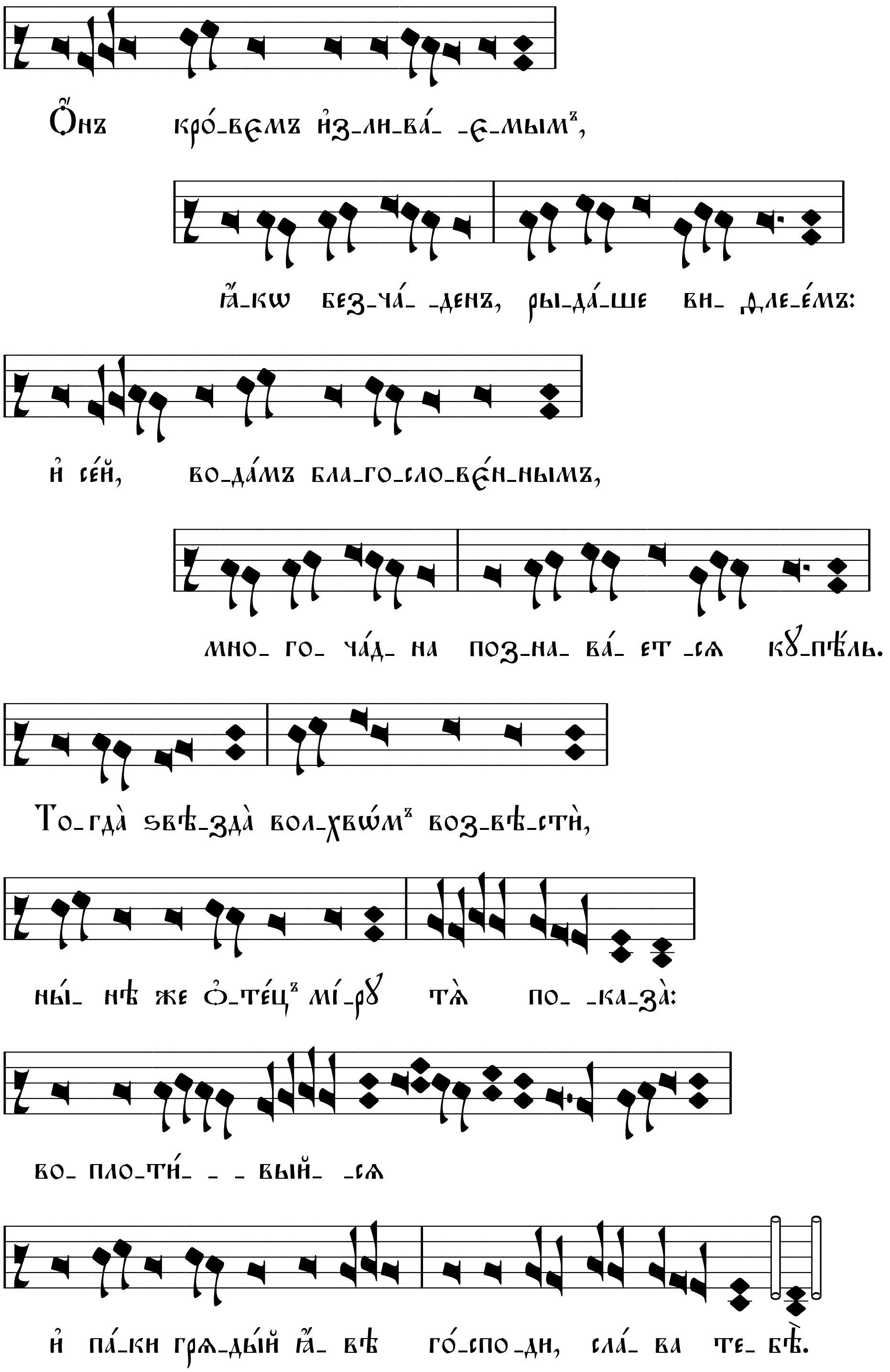
Ѻ҆́нъ кро́-ве́мъ и҆з-ли-ва́- -е-мымъ,
ꙗ҆́-кѡ без-ча́- -денъ, ры-да́-ше ви- ѳле-е́мъ:
и҆ се́й, во-да́мъ бла-го-сло-ве́н-нымъ,
мно- го- ча́д- на поз-на-ва́- ет -сѧ ку-пѣ́ль.
То-гда̀ ѕвѣ-зда̀ вол-хвѡ́мъ воз-вѣ-стѝ,
ны- нѣ же ѻ҆-те́цъ мі́-ру тѧ̀ по- -ка-за̀:
во- пло-ти́- - - вый- -сѧ
и҆ па́-ки грѧ-дый ꙗ҆́- вѣ го́-спо-ди, сла́- ва те- бѣ̀.

Ανδρέου Ιεροσολυμίτου, Ήχος β'

Πάλιν Ιησούς ο εμός καθαίρεται εν τώ Ιορδάνη, μάλλον δέ καθαίρει τάς αμαρτίας ημών, έρχεται γάρ αληθώς επί τό Βάπτισμα, εκπλύναι θέλων τού Αδάμ τό χειρόγραφον, καί φησί πρός τόν Ιωάννην.
**Δεύρο** υπηρέτησον ώ Βαπτιστά, μυστηρίου ξένου τό κεφάλαιον,
**δεύρο**, έκτεινον τήν σήν χείρα ταχύ, καί άψαι τής κορυφής, τού συντρίψαντος τήν κάραν τού δράκοντος, καί ανοίξαντος τόν Παράδεισον, όν έκλεισεν η παράβασις, απάτη τού όφεως, τή γεύσει τού ξύλου ποτέ.

Гла́съ в҃: А҆ндре́а і҆еросолѵ́мскагѡ:

Сті́хъ: Сегѡ̀ ра́ди помѧнꙋ́хъ тѧ̀ ѿ землѝ і҆ѻрда́нски и҆ є҆рмѡнїи́мски.

Па́ки і҆и҃съ мо́й ѡ҆чища́етсѧ во і҆ѻрда́нѣ, па́че же ѡ҆чища́етъ грѣхѝ на́шѧ: грѧде́тъ бо вои́стиннꙋ на креще́нїе, ѡ҆мы́ти хотѧ̀ а҆да́мово рꙋкописа́нїе. И҆ речѐ ко і҆ѡа́ннꙋ: грѧдѝ, послꙋжѝ, ѽ кр҇ти́телю, та́инства стра́ннагѡ глави́знѣ. Грѧдѝ, прострѝ рꙋ́кꙋ твою̀ ско́рѡ, и҆ прикосни́сѧ верхꙋ̀ сте́ршагѡ ѕмі́евꙋ главꙋ̀, и҆ ѿве́рзшагѡ ра́й, є҆го́же затворѝ престꙋпле́нїе ле́стїю ѕмі́евою, вкꙋше́нїемъ дре́ва и҆ногда̀.

Ήχος γ' /// Гла́съ г҃:

Φαιδρά μέν * η παρελθούσα * Εορτή, 11
ένδοξος * η παρούσα * ημέρα. 10

**Εν εκείνη**, 4 τώ Σωτήρι Μάγοι 6 προσεκύνησαν, 5
**εν ταύτη δέ** 4 τόν Δεσπότην δούλος 6 κλητός εβάπτισεν. 6

**Εκεί** Ποιμένες αγραυλούντες, 2+7 είδον καί εθαύμαζον, 7
**ώδε** φωνή τού Πατρός, 2+5 τόν μονογενή Υιόν εκήρυττε. 11

Сті́хъ: Ви́дѣша тѧ̀ во́ды, бж҃е, ви́дѣша тѧ̀ во́ды, и҆ оу҆боѧ́шасѧ.

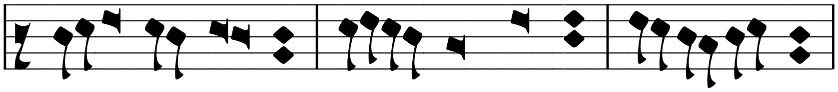

Ми_ _сенъ оу҆_бѡ мн_ _мо_ше́д_шїй пра́зд_ _ _никъ,

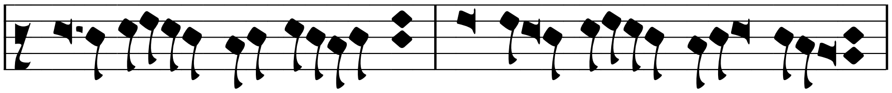

сла́в_ _ _ _ нѣй_ шїй же на_сто_ _ѧ́_ _ _ щїй де́нь:

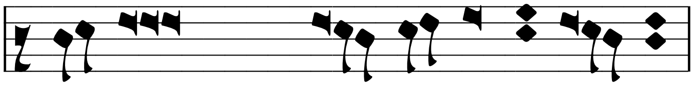

во ѻ҆́нъ сп҃су вол_свѝ по_кло_ни́_ ша_ сѧ,

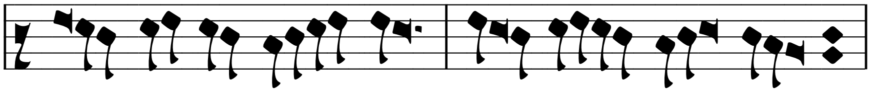

въ се́мъ же вла_ ды_ _ _ку ра́бъ сла́_ _ _венъ кр҇_ тѝ.

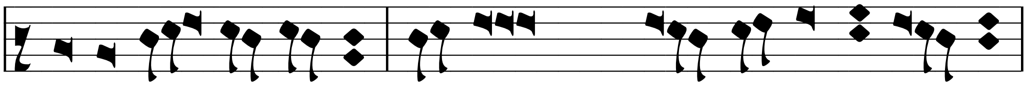

Та́_мѡ па́_ _сты_рї_ _е сви_рѧ́юще ви́дѣ_вше, и҆ чу_дѧ́_ху_ _ сѧ:

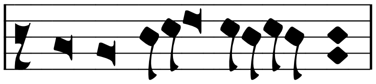

здѣ́ же гла́съ ѻ҆́_ _ч҃їй

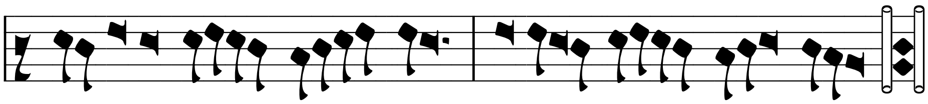

є҆_дин_но_ ро́д_ _ _на_ _ _го сы́_на про_ _ _по_ _ вѣ́_ _да.

*Δόξα... Καί νύν... ο αυτός*

**Δεύτε** άπαντες πιστοί, 7 τήν Ιουδαίαν αφέντες, 8
διέλθωμεν 4 τήν έρημον τού Ιορδάνου, 9
καί θε-ασώμεθα σήμερον εκεί, 11
τόν δι' ημάς επιφανέντα σαρκί, 11
τό Βάπτισμα αιτούντα, 7 εν τοίς ρείθροις τού Ιορδάνου, 9
τόν Βαπτιστήν παραιτούμενον, 9 καί βοώντα τώ φόβω. 7

**Ου τολμώ** χειροθετήσαι 8 τή πηλίνη παλάμη τό πύρ. 9
Ο Ιορδάνης καί η θάλασσα 10 έφυγον, Σωτήρ, 5
καί απεστράφησαν, 6
**κάγω** πώς επιθήσω 7
επί τήν κορυφήν σου χείρα, 9 ήν τρέμει τά Σεραφίμ; 7
Ανεχώρησεν ο Ιορδάνης, 10 ώς εδέξατο τήν Ηλιού, 9
δι' Ελισσαίου μηλωτήν, 8

**πώς** μή δύη εις χάος καί βάθος, 10
βλέπων γυμνόν σε εν τοίς ρείθροις; 9
**πώς** δέ μή φλέξη με, 6
όλος εκ σού πυρούμενος; 8

**Τί** βραδύνεις Βαπτιστά, 7
τού βαπτίσαι τόν Κύριόν μου; 9
ο Ιορδάνης βοά πρός Ιωάννην. 12

**Τί** τών πολλών κωλύεις τήν κάθαρσιν, 11
πάσαν την κτίσιν ηγίασεν, 9
άφες αγιάσαι 6
καμέ καί τών υδάτων τήν φύσιν, 10
ότι εις τούτο επεφάνη. 9

---

Сла́ва, и҆ ны́нѣ, гла́съ то́йже:

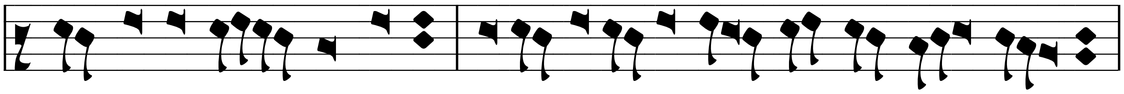


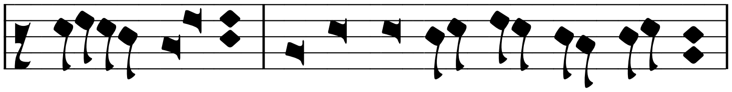


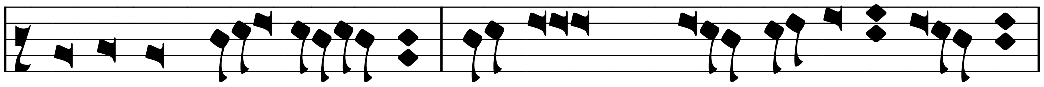

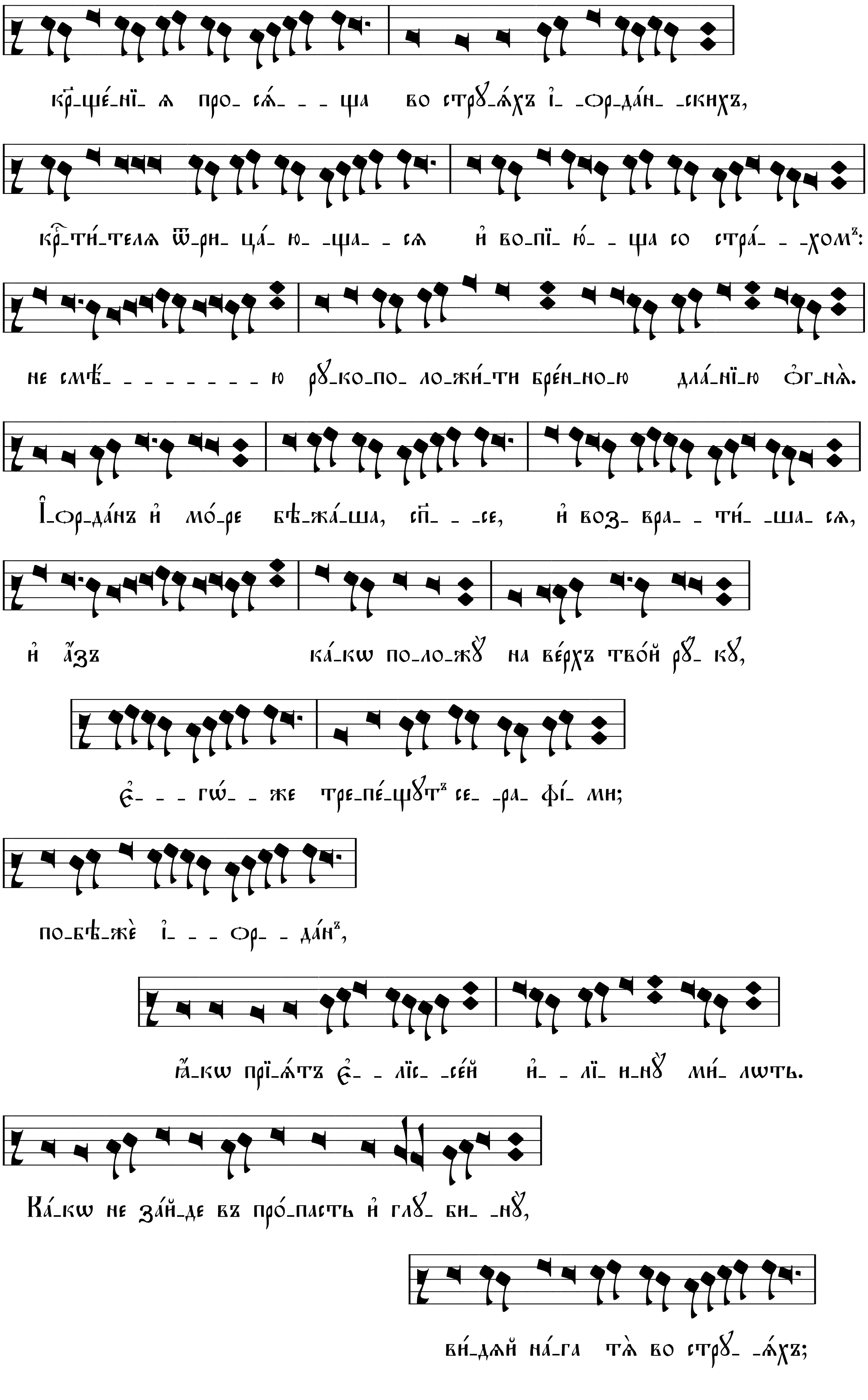
кр҇-ще́-нї- ѧ про- сѧ́- - - щѧ во стрꙋ-ѧ́хъ і- -ор-да́н- -скихъ,
кр҇-ти-телѧ ѿ-рн- ца́- ю- -щѧ- - сѧ и҆ во-пі- ю́- - щѧ со стра́- - -хомъ:
не смѣ́- - - - - - - - ю рꙋ-ко-по- ло-жи́-ти бре́н-но-ю дла́-нї-ю ѻ҆г-нѧ̀.
І҆-ор-да́нъ и҆ мо́-ре бѣ-жа́-ша, сп҇- - -се, и҆ воз- вра- - ти- -ша- сѧ,
и҆ а҆́зъ ка́-кѡ по-ло-жꙋ̀ на ве́рхъ тво́й рꙋ- кꙋ̀,
є҆- - - гѡ́- - же тре-пе́-щꙋтъ се- -ра- фі- ми;
по-бѣ-жѐ і- - - ор- - да́нъ,
ꙗ҆́-кѡ прі-ѧ́тъ є҆- - лї́с- -се́й и҆- - лї- и-нꙋ̀ ми- лѡть.
Ка́-кѡ не за́й-де въ про́-пасть и҆ глꙋ- бн- -нꙋ̀,
ви-дѧ́й на́-га тѧ̀ во стрꙋ- -ѧ́хъ;

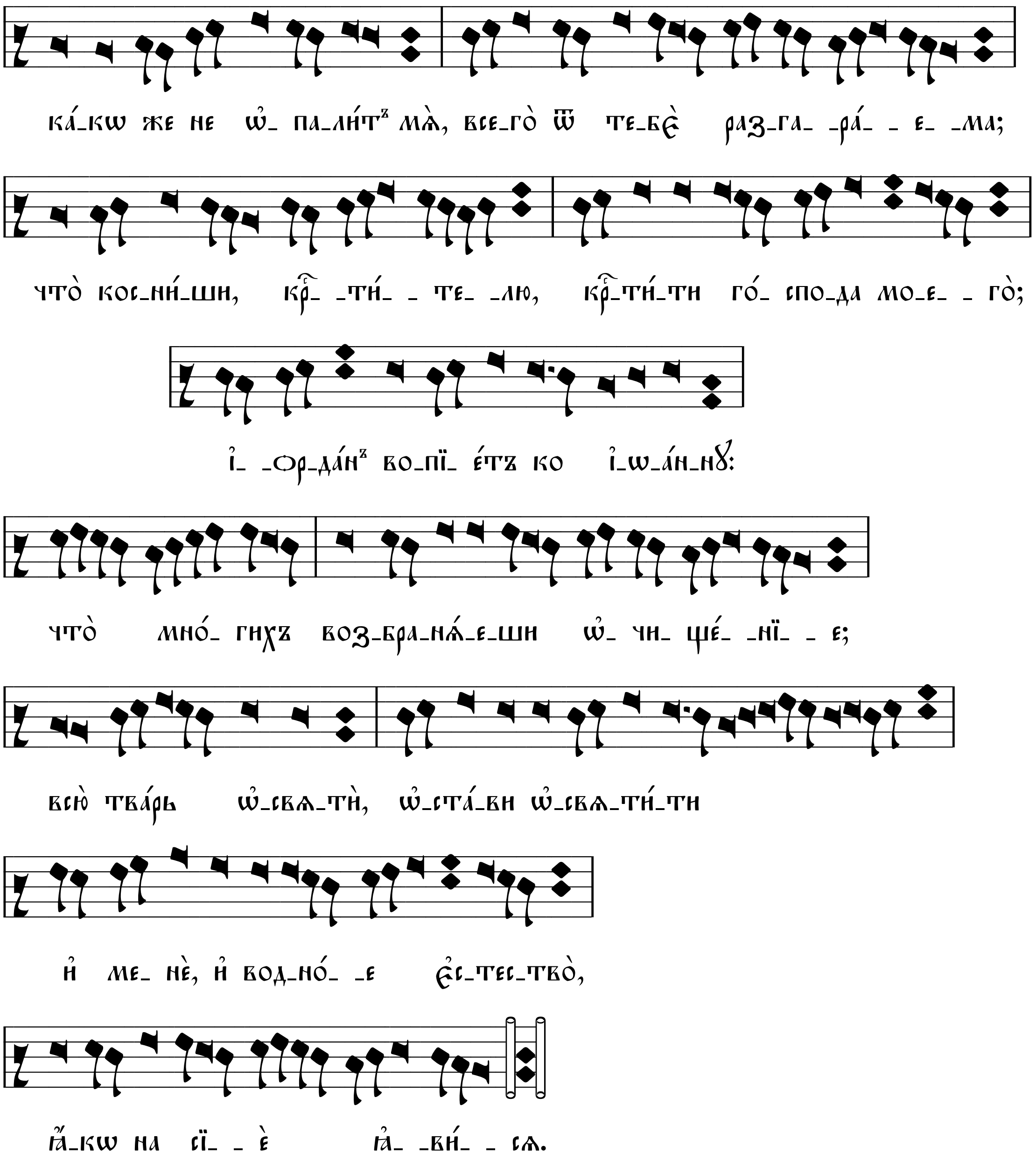


© 2010 irmologion.nfo.sk